Citizens Foundation
Making People Self Reliant

गोलकीपर्स समाचार पत्रिका

संस्करण-44 जून - 2025

इस संस्करण में

01 देवघर में एसबीआई फाउंडेशन ने मोबाइल क्लिनिक का किया निरीक्षण

02 बीआईटीएस स्कूल ऑफ डिजाइन के इंटर्न्स का किया गया स्वागत

संदेश

पहली नजर में मुझे यह संस्था एक पेशेवर और अच्छी तरह से सुव्यवस्थित संगठन लगी, जो देश में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रोजेक्ट्स को सफलतापूर्वक चला रही है। भविष्य की योजनाओं के लिए टीम और संस्था को ढेरों शुभकामनाएं।

श्री सत्येंद्र कुमार मौर्य
मुख्य प्रबंधक, एचएएल लखनऊ

सचिव की कलम से

इस महीने हमारे प्रयास ने सहयोग और समुदाय की भावना को साफ तौर पर प्रदर्शित किया। देवघर में एसबीआई संजीवनी मोबाइल क्लिनिक के जरिए लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचायी गयीं, वहीं असम में लोगों की आजीविका बढ़ाने के लिए ई-रिक्शा बांटे गये। हमें खुशी है कि हमारा काम जमीन पर वास्तव में बदलाव ला रहा है। सिक्किम में आंगनवाड़ी केंद्रों की मरम्मत और हमारे कल्याण अस्पतालों का लगातार असर, हमारी सबको साथ लेकर चलने की सोच को मजबूत करता है। साथ ही हमने बिट्स स्कूल ऑफ डिजाइन के प्रशिक्षुओं का स्वागत किया, जो अपने नये विचारों से हमारे काम को और बेहतर बना रहे हैं। ये सफल कहानियां हमें हर दिन एक बेहतर और न्यायसंगत भविष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

गणेश रेड्डी
सचिव सह सीईओ, सिटिज़न्स फाउंडेशन

देवघर में एसबीआई फाउंडेशन ने मोबाइल क्लिनिक का किया निरीक्षण

एसबीआई फाउंडेशन की असिस्टेंट प्रोग्राम मैनेजर सुश्री मेघा ने हाल ही में झारखंड के देवघर जिले के देवीपुर प्रखंड में सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन के कामकाज वाले इलाके का दौरा किया, जहां एसबीआई संजीवनी-क्लिनिक ऑन व्हील्स कार्यक्रम चलाया जा रहा है। वहीं, बरियारपुर गांव में उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत कर मोबाइल मेडिकल यूनिट की स्वास्थ्य सेवाओं का असर और मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने देवीपुर स्थित परियोजना कार्यालय का भी जायजा लिया और वहां की फाइलिंग व रिकॉर्ड रखने की व्यवस्था देखी। मेघा ने क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए टीम की सराहना की और उनके काम की तारीफ की।

असम के हैलाकांडी में सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन और एलआईसी एचएफएल ने बांटे ई-रिक्शा

सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन ने एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एलआईसी एचएफएल) के सहयोग से असम के हैलाकांडी जिले के अलगापुर ब्लॉक के चिपोरसंगन गांव में ई-रिक्शा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल के तहत 10 लाभार्थियों को ई-रिक्शा दिए गए, जिनमें कई स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) के सदस्य भी शामिल थे। यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी आजीविका के अवसर बढ़ाने और आर्थिक रूप से लोगों को सशक्त बनाने की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा है। इसमें खास ध्यान वंचित समूहों, खासकर महिलाओं और बेरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर दिया गया है, ताकि वे पर्यावरण के अनुकूल इस साधन से सम्मानजनक आमदनी कमा सकें।

सिक्किम के लोअर टारेथांग में आधुनिक सुविधाओं से लैस आंगनवाड़ी केंद्र ग्रामीणों को किया गया हैंडओवर

होलिस्टिक रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम (एचअररडीपी) के तहत सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन सिमाना, सिक्किम ने एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के सहयोग से लोअर टारेथांग वार्ड (बेरिंग टारेथांग ग्राम पंचायत यूनिट) में नवनिर्मित और मरम्मत किए गए आंगनवाड़ी केंद्रों को स्थानीय ग्रामीणों को सौंप दिया गया। इस मौके पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वार्ड पंचायत सदस्य, वीडीसी सदस्य और सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन की टीम मौजूद रही। यह आयोजन स्थानीय समुदाय को सशक्त बनाने और बचपन की शुरुआती देखभाल और शिक्षा की सुविधा को बेहतर करने की दिशा में एक अहम कदम है।

झारखंड में बेहतर स्वास्थ्य सेवा: उम्मीद की किरण बनकर उभरे कल्याण अस्पताल

सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन झारखंड सरकार के सहयोग से दूर-दराज और पिछड़े इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर बनाने के लिए 50 बिस्तरों वाले आदिवासी कल्याण अस्पताल (कल्याण अस्पताल) चला रही है। अभी ये अस्पताल बड़ाचिरू (चाईबासा), पथना (साहिबगंज) और अर्की (खूंटी) में संचालित हो रहे हैं। केवल अप्रैल महीने में पथना स्थित कल्याण अस्पताल ने जरूरी चिकित्सीय सेवाएं प्रदान की। इसमें 2,695 ओपीडी मरीजों का इलाज और 229 मरीजों को भर्ती किया गया। साथ ही 149 ऑपरेशन किए गए। वहीं, 258 परामर्श सत्र, 76 आपातकालीन इलाज और 37 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। इसके अलावा 940 पैथोलॉजी टेस्ट किए गए। ये आंकड़े दिखाते हैं कि यह अस्पताल आदिवासी और ग्रामीण समुदायों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण इलाज देने में कितना अहम योगदान दे रहा है।

बीआईटीएस स्कूल ऑफ डिजाइन के इंटर्न्स का किया गया स्वागत

टीम सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सुश्री विदुला श्रीवत्स, श्री शौर्य सोनी और श्री आरव चौधरी, जो वर्तमान में बिट्स डिजाइन स्कूल, मुंबई में बैचलर ऑफ डिजाइन (बी.डेस) के छात्र हैं, हमारे साथ इंटर्नशिप के लिए जुड़े हैं। ये सभी छात्र-छात्राएं हमारे साथ तीन हफ्ते की सामुदायिक परियोजना (कम्युनिटी प्रोजेक्ट) पर इंटर्नशिप कर रहे हैं। हमें खुशी है कि ये प्रतिभाशाली और रचनात्मक युवा हमारे साथ जुड़े हैं।

हम न केवल उनके सीखने की यात्रा में साथ देंगे, बल्कि उन्हें हमारे समुदाय-आधारित कामों में योगदान देने का भी अवसर मिलेगा। यह अनुभव उन्हें ग्रासरूट विकास कार्य को समझने और अपने डिजाइन थिंकिंग को असल जीवन की समस्याओं पर लागू करने में मदद करेगा।

पारंपरिक खेती से टिकाऊ नवाचार की ओर : गुमला, झारखंड में इंटरक्रॉपिंग और वॉटरशेड सपोर्ट के जरिए बदलाव की कहानी

अवलोकन:

झारखंड के हड़रतोली गांव ने किसान अल्बिनस केरकेट्टा के नेतृत्व में खेती में नवाचार के जरिए बदलाव देखा है। झारखंड वॉटरशेड मिशन और सिटिज़न्स फ़ाउंडेशन के सहयोग से अल्बिनस ने आम के पेड़ों के बीच प्याज उगाने की इंटरक्रॉपिंग पद्धति अपनाई और पारंपरिक खेती से आगे बढ़े।

चुनौतियां:

इस पहल से पहले गांव में सिंचाई की व्यवस्था सही नहीं थी और किसान अनियमित बारिश पर निर्भर रहते थे। ज्यादातर किसान केवल आम की फसल पर निर्भर थे, जिससे साल में सिर्फ एक बार कमाई होती थी। आधुनिक तकनीक और मदद भी बहुत कम मिलती थी।

परिणाम:

अल्बिनस द्वारा इंटरक्रॉपिंग अपनाने से एक ही जमीन से दो फसलें उगाई जाने लगीं, जिससे जमीन का बेहतर उपयोग हुआ। एक मिट्टी का डैम (छोटा बांध) बनवाया गया, जिससे सिंचाई की सुविधा बेहतर हुई और फसल की गुणवत्ता भी बढ़ी। प्याज से तुंरत आमदनी मिली, जबकि आम से दीर्घकालीन कमाई सुनिश्चित हुई।

प्रभाव:

इस बदलाव से अल्बिनस की आय में अच्छी बढ़ोतरी हुई और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर हुई। उनकी सफलता देख गांव के अन्य किसान भी इंटरक्रॉपिंग और बेहतर सिंचाई तकनीकों को अपनाने लगे। इससे जमीन का सही उपयोग, मिट्टी की सेहत में सुधार और सस्टेनेबल खेती की ओर एक मजबूत कदम बढ़ा, जिससे गांव अब पर्यावरण और आर्थिक चुनौतियों का बेहतर सामना कर रहा है।

GOALKEEPERS, MONTHLY NEWSLETTER
(For Internal Circulation Only)
CITIZENS FOUNDATION
Content: Knowledge Management Team
Editor: Sojol Chakraborty & Priya Barla

Follow us @